आइए जानते हैं कि Covishield, Covaxin और Sputnik V के बारे में विस्तार से।

CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

इसे ज़्यादा से ज़्यादा शेयर करें
और ज़रूरतमंद तक पहुचाएँ

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

क्या है Covishield Covaxin और Sputnik V ?

कितने असरदार हैं कोरोना वायरस के ये तीनों टीके?

1- फेज 3 ट्रायल के अंतरिम नतीजों में Sputnik V वैक्सीन की एफेकसी 91.6% पाई गई है।

2- भारत बायोटेक की Covaxin ने फेज 3 क्लिनिकल ट्रायल में 81% की एफेकसी हासिल की थी।

3- सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया की Covishield की एफेकसी 62% दर्ज हुई थी।

हालांकि डेढ़ डोज देने पर एफेकसी 90% तक पहुंच गई।

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

क्या है डोज पैटर्न और स्टोरेज का तरीका?

1. Covishield की दो डोज 12-16 हफ्तों के अंतराल पर दी जाती हैं। इसे स्टोर करने के लिए सब जीरो तापमान (शून्य से कम) की जरूरत नहीं है।
2. Covaxin की दो डोज 4-6 हफ्तों के अंतराल पर दी जाती हैं। इसे भी 2-8 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान पर स्टोर कर सकते हैं।
3. Sputnik V के डिवेलपर्स के अनुसार, इसे भी 2-8 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच स्टोर किया जा सकता है। यह वैक्सीन भी दो डोज में दी जाती है।

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

कीमत और उपलब्धता का क्या है सीन?

1. Covishield और Covaxin, दोनों ही सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में लगाई जा रही हैं। प्राइवेट अस्पताल में जाने पर 250 प्रति डोज का शुल्क लिया जा रहा है।
सरकार सीरम इंस्टिट्यूट और भारत बायोटेक को 150 रुपये प्रति डोज दे रही है।

2. Sputnik V की भारत में कीमत अबतक स्पष्ट नहीं है। विदेश में यह टीका 10 डॉलर प्रति डोज से कम है। RDIF का शुरुआती प्लान इसे रूस से आयात करने का है।
ऐसे में कीमत ज्यादा हो सकती है।

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

कीमत और उपलब्धता का क्या है सीन?

3. एक बार इस वैक्सीन का प्रॉडक्शन भारत में शुरू हो जाए तो कीमतें काफी कम हो जाएंगी। डॉ रेड्डी लैबोरेटरीज से 10 करोड़ डोज बनाने की डील हुई है। इसके अलावा RDIF ने हेटरो बायोफार्मा, ग्लैंड फार्मा, स्टेलिस बायोफार्मा, विक्ट्री बायोटेक से 85 करोड़ डोज बनाने का भी करार कर रखा है।

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

क्या है Covishield Covaxin और Sputnik V ?

स्टोरेज और एक्सपायरी

तीनों वैक्सीन को 2-8 डिग्री तापमान पर स्टोर कर सकते हैं।

CODESGESTURE
Ab Har Koi Hoga Online

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

क्या है Covishield Covaxin और Sputnik V ?

कोवैक्सीन और कोविशील्ड पर डॉक्टर की राय

कोवैक्सीन और कोविशील्ड टीकों पर मसीना अस्पताल के कंसलटेंट चेस्ट फिजिशियन डॉक्टर संकेत जैन का कहना है कि ये दोनों टीके देश में बने हैं। पारंपरिक तरीके से निर्मित टीके आधुनिक तरीके से तैयार वैक्सीन की तुलना में ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं।

पारंपरिक तरके से तेयार टीकों में साइड इफेक्ट का खतरा कम होता है।

क्लिनिकल ट्रायल्स में भी भारतीय वैक्सीन का प्रभाव बेहतर रहा है।

कोवैक्सीन और कोविशील्ड वैक्सीन शरीर में एंटीबॉडी बनाने का काम करती हैं।

भविष्य में जब किसी वायरस से सामना होगा तो वैक्सीन शरीर को सुरक्षात्मक कवच बनाने के लिए अलर्ट कर देंगी।

CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online

क्या है Covishield Covaxin और Sputnik V ?

इस जानकारी को खुद तक न रखें।

इसे अपने सभी परिवार और दोस्तों और सभी के साथ ज़्यादा से ज़्यादा शेयर करे ।

आपको नहीं पता कि इस जानकारी को शेयर करके आप कितनी जान बचा रहे हैं।

इसे शेयर करें ताकि अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन के बारे में जानकारी हो सके।

Since 2014
CODESGESTURE®
Ab Har Koi Hoga Online